संपादकीय

विसंगतियों का प्रतिकार

रेलवे भर्ती बोर्ड की विभिन्न श्रेणियों की परीक्षाओं की विसंगतियों को लेकर बिहार व उत्तर प्रदेश में परीक्षार्थियों का हिंसक विरोध इस बात का संकेत है कि नौकरियों के लिये होने वाली परीक्षाओं को लेकर धैर्य चूकने लगा है। हालांकि, इन आंदोलनों के पीछे कुछ अन्य घटक भी होते हैं, लेकिन बेरोजगारी की चिंताजनक स्थिति आक्रोश को बढ़ाने का ही काम कर रही है। यह तंत्र की नाकामी का ही उदाहरण है कि वर्ष 2019 में रेलवे के विभिन्न वर्गों के पदों के लिये घोषित नौकरियों की परीक्षाएं अब तक पूरी नहीं हो पायी हैं। ऐसे में बढ़ते विलंब से प्रतियोगी परीक्षाओं की आयु सीमा निकलते देख बेरोजगारों का धैर्य जवाब देना स्वाभाविक ही है। लेकिन इसके बावजूद हिंसक प्रदर्शनों व रेलवे की संपत्ति को क्षति पहुंचाने को कतई तार्किक नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, छात्रों के उग्र प्रदर्शन के बाद अब रेलवे ने कुछ परीक्षाओं को स्थगित किया है और छात्रों की समस्याओं को सुनने के लिये पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति रेलवे भर्ती बोर्ड की गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी के लेवल-1 की परीक्षा में पास हुए व फेल हुए छात्रों से बात करके रिपोर्ट रेल मंत्रालय को सौंपेगी। यह जांच पहले चरण की परीक्षा के परिणाम तैयार करने के तरीकों के बारे में होगी। यद्यपि परीक्षा में पास छात्रों की सूची में कोई बदलाव नहीं किया जायेगा। कमेटी दूसरे चरण की परीक्षा पर अपने सुझाव देगी। कमेटी की रिपोर्ट आने तक पंद्रह फरवरी, 2022 को होने वाली दूसरे चरण की परीक्षा और 23 फरवरी, 2022 को होने वाली परीक्षाओं की तिथि आगे बढ़ा दी गई है। दरअसल, रेलवे भर्ती बोर्ड के गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी यानी एनटीपीसी की पहले चरण की परीक्षा के परिणाम को लेकर बिहार व उत्तर प्रदेश के छात्र नाराज हैं। वैसे सवाल उठाया जा रहा है कि 14 जनवरी को घोषित परीक्षा परिणामों को लेकर 24 जनवरी को आंदोलन क्यों हुआ। यह भी कि आंदोलन बिहार व उत्तर प्रदेश में ही क्यों हुआ। दरअसल, रेलवे की इन नौकरियों के लिये वर्ष 2019 में आवेदन मांगे गये थे। उसी वर्ष सितंबर माह में ये परीक्षाएं आयोजित होनी थीं। इसमें विलंब हुआ और दिसंबर 2020 और जुलाई 2021 में देशभर में पहले चरण की भर्ती परीक्षा आयोजित की गई जिसके परीक्षा परिणाम 14 जनवरी को घोषित हुए। दरअसल, ग्रुप सी- लेवल-1 के लिये वर्ष 2019 में एक लाख नौकरियों हेतु आवेदन मांगे गये थे। इसके लिये करीब एक करोड़ पंद्रह लाख आवेदन मिले। इतनी बड़ी संख्या में आवेदकों के आवेदन की वजह से भी परीक्षा आयोजन में व्यवधान उत्पन्न हुआ जिसके चलते पहले चरण की परीक्षा 23 फरवरी 2022 को आयोजित होनी थी, जिसे अब टाल दिया गया है। आवेदकों की संख्या को देखते हुए रेलवे ने परीक्षा को अब दो चरणों में करवाने का फैसला किया है। ये परीक्षाएं लेवल दो से लेवल छह तक विभिन्न पदों के लिये होनी थीं। एक विसंगति यह है कि एनटीपीसी परीक्षा के कुछ पदों के लिये शैक्षिक योग्यता बारहवीं पास है तो कुछ के लिये स्नातक है। जिन परीक्षाओं के लिये न्यूनतम योग्यता बारहवीं पास है, उसमें स्नातक योग्यता वाले आवेदकों ने भी आवेदन किया है। इससे पहली श्रेणी वाले आवेदकों को लगता है कि उनके लिये नौकरी की संभावना कम हो जायेगी। रेलवे ने विज्ञापन में कहा था कि पहले चरण में रिक्त पदों के बीस गुना छात्रों को पास किया जायेगा, जिससे दूसरे चरण में ज्यादा आवेदकों को जगह मिल सकेगी। छात्रों को लगता है कि एक ही आवेदक के कई पदों के लिये चयनित होने से प्रथम चरण में चयनित छात्रों की संख्या कम हो जायेगी। वे एक छात्र एक रिजल्ट की मांग कर रहे थे। अब ग्रुप सी की लेवल-1 परीक्षा दो चरणों में घोषित होने से छात्रों में रोष बढ़ा है। वहीं रेलवे का कहना है कि पद आवेदन में कई तकनीकी विसंगतियों की वजह से मामला कैट तक पहुंचा है। ऑनलाइन आवेदन में करीब पांच लाख आवेदन रद्द किये गये।

केंद्रीय बजट में बुनियादी कर में छूट, मानक कटौती की सीमा बढ़ाए जाने की उम्मीद

नईदिल्ली । केंद्रीय बजट में रोजगार सृजन, बुनियादी कर छूट की सीमा में वृद्धि, मानक कटौती, चिकित्सा व्यय, कर दरों का युक्तिकरण और कुछ सामाजिक सुरक्षा निवेशों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है। इस समय, आईटी अधिनियम की धारा 16(1ए) करदाता की वेतन आय से 50,000 रुपये की मानक कटौती का प्रावधान करती है। इस कटौती को वित्त अधिनियम 2019 द्वारा 40,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया गया था और तब से इसे बढ़ाया नहीं गया है।

आरएसएम इंडिया के संस्थापक सुरेश सुराणा ने कहा, अगर मूल छूट सीमा में कोई वृद्धि नहीं होती है तो बढ़ती महंगाई और जीवन यापन की लागत को देखते हुए वेतनभोगी कर्मियों के लिए इस तरह की मानक कटौती को 50,000 रुपये से बढ़ाकर 60,000 रुपये करने की जरूरत है। इस समय धारा 80 टीटीए के तहत केवल बैंकों/सहकारी समितियों/डाकघरों में बचत बैंक खातों से ब्याज के मद में 10,000 रुपये तक की कटौती की जाती है।

सुराणा ने कहा कि अधिकांश करदाताओं को इस कर लाभ का लाभ उठाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से इस अनुभाग के मौजूदा दायरे को अन्य प्रकार के ब्याज जैसे बैंक/डाकघर में सावधि जमा, आवर्ती जमा आदि पर ब्याज को कवर करने के लिए विस्तारित करने की जरूरत है। इसके अलावा 10,000 रुपये की ऐसी सीमा को भी बढ़ाकर 20,000 रुपये करने की जरूरत है, क्योंकि वित्त अधिनियम 2012 द्वारा इसकी शुरुआत के बाद से सीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा भत्ता (प्रति बच्चा 100 रुपये), बाल छात्रावास व्यय भत्ता (प्रति बच्चा 300 रुपये) जैसी नगण्य ऊपरी सीमाओं के साथ कई छूट उपलब्ध हैं। ऐसी कटौतियों के संबंध में सीमा वर्तमान शिक्षा लागत के अनुरूप नहीं है और इसे मुद्रास्फीति के लिए समायोजित करने और तदनुसार बढ़ाने की जरूरत है। इसके अलावा, धारा 64(1ए) के तहत नाबालिग की आय को जोड़ने के समय लागू 1500 रुपये के तहत छूट की सीमा को अंतिम बार 1993 में संशोधित किया गया था और इस प्रकार, इसमें ऊपरी संशोधन का लंबे समय से इंतजार है। पिछले 28 वर्षों में मुद्रास्फीति को देखते हुए ऐसी छूट की सीमा को बढ़ाकर 15,000 रुपये किया जा सकता है।

सुराणा ने कहा कि बच्चों से संबंधित सभी कटौतियों को 20,000 रुपये प्रति बच्चे की एकल समेकित कटौती में समेकित करना सार्थक हो सकता है। अग्रिम कर के भुगतान के लिए 10,000 रुपये की सीमा को अंतिम बार वित्त अधिनियम, 2009 द्वारा संशोधित किया गया था। सुराणा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के साथ-साथ अनुपालन बोझ को कम करने पर विचार करते हुए कटौती सीमा को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करने की जरूरत है।

अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्रों को मिले पीएलआई योजना का लाभः सीआईआई

नईदिल्ली । वित्त वर्ष 2022-23 के आम बजट के ठीक पहले उद्योग मंडल सीआईआई ने रविवार को कहा कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं में सृजित रोजगार के आधार पर प्रोत्साहन की अतिरिक्त दरें भी जोड़ी जानी चाहिए।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सुझाव दिया है कि अधिक संख्या में रोजगार देने वाले चमड़ा एवं खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों को निवेश आकर्षित करने और नए रोजगार पैदा करने के लिए प्रोत्साहन योजना के दायरे में लाया जाना चाहिए। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने एक बयान में कहा, ''महामारी की मार से उबर रहे देश में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए हमारा यह सुझाव है कि बजट में प्रोत्साहन योजनाओं के भीतर रोजगार-सृजन का पहलू भी जोड़ा जाए।'' उद्योग मंडल ने कहा कि अधिक संख्या में रोजगार देने वाले क्षेत्रों को पीएलआई योजनाओं के दायरे में लाया जाना चाहिए। इससे इन क्षेत्रों में निवेश को काफी बढ़ावा मिलेगा। अधिक संख्या में रोजगार देने वाले क्षेत्रों को अधिक रियायतें दी जानी चाहिए। सीआईआई ने आगामी बजट में पीएलआई के अलावा कई अन्य ऐसे कदमों की भी अनुशंसा की है जिनसे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिले।

बजट तय करेगा शेयर बाजार की चाल

मुंबई । अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में शीघ्र तेज वृद्धि किये जाने के संकेत से हतोत्साहित निवेशकों की जबरदस्त बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह तीन फीसदी से अधिक लुढ़के शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह नये वित्त वर्ष के लिए जारी होने वाले बजट और विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख से तय होगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1836.95 अंक यानी 3.11 प्रतिशत टूटकर 57200.23 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 543.3 अंक अर्थात 3.09 प्रतिशत गिरकर 17101.95 पर रहा। इस दौरान दिग्गज और मझौली कंपनियों के मुकाबले छोटी कंपनियों में बिकवाली का दबाव अधिक रहा। बीएसई का मिडकैप जहां 3.06 फीसदी का गोता लगाकर 24186.73 अंक पर आ गया वहीं स्मॉलकैप 3.43 फीसदी लुढ़ककर 28940.18 अंक पर रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह संसद में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए बजट पेश होगा। इस लिहाज से अगला सप्ताह बहुत महत्वपूर्ण और बेहद अस्थिर रहने वाला है लेकिन इस बार अच्छी बात यह है कि बाजार बहुत हल्के नोट पर बजट की ओर बढ़ रहा है। बजट के बाद बाजार में तेजी आने की संभावना अधिक है। पिछले साल भी इसी तरह का रुझान देखा गया था, जहां बाजार में बजट से पहले बिकवाली हुई लेकिन बजट के बाद तेजी आई थी।

अगले सप्ताह बजट के अलावा, वैश्विक संकेत भी बहुत महत्वपूर्ण होंगे। जहां वैश्विक बाजार ब्याज दर में बढ़ोतरी होने के संकेत के साथ सामंजस्य बिठाने का प्रयास कर रहा है लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितता प्रमुख चिंता का विषय है। डॉलर में तेजी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के परिणाम के लिहाज से अब तक का सत्र अच्छा रहा है। हालांकि अगले सप्ताह भी कई कंपनियों के परिणाम जारी होने हैं।

इनके अलावा अगले सप्ताह एफआईआई के रुख का भी असर रहेगा। बीते सप्ताह एफआईआई 22000 करोड़ रुपये के बिकवाल रहे हैं।

गर्भवती महिला उम्मीदवारों को लेकर जारी परिपत्र को स्टेट बैंक ने ठंडे बस्ते में डाला

नईदिल्ली । देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने गर्भवती महिला उम्मीदवारों की बैंक में भर्ती को लेकर जारी विवादास्पद परिपत्र को वापस ले लिया है। बैंक ने जारी एक बयान में कहा कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुये उसने अपने उस परिपत्र को ठंडे बस्ते में डाल दिया है जिसमें गर्भवती महिला उम्मीदारों को लेकर दिशा निर्देश दिये गये थे। इसको लेकर पहले से प्रभावी निर्देश जारी रहेंगे।

बैंक के परिपत्र में कहा गया था कि तीन महीने से अधिक महीने की गर्भवती महिलाओं को बैंक की नौकरियों के उम्मीदवार के तौर पर अस्थायी तौर पर अनफिट माना जायेगा और उसको उम्मीदवार को डिलिवरी के चार महीने के बाद सेवा देने की अनुमति दी जा सकेगी। स्टेट बैंक ने हाल ही में बैंक में भर्ती से जुड़े फिटनेस मालकों की समीक्षा की थी जिसमें गर्भवती महिला उम्मीदवार को लेकर जारी पहले के निर्देश भी की समीक्षा की गयी थी। इस समीक्षित दिशा निर्देशों में स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पैरामीटरों को अधिक स्पष्ट किया गया। ये पैरामीटर वे थे जो या तो बहुत पुराने हो चुके थे या स्पष्ट नहीं है। इसको कुछ मीडिया ने महिलाओं के प्रति भेदभाव वाला बताया था। बैंक ने कहा कि वह अपनी महिला कर्मियों की देखरेख और सशक्तिकरण के प्रति हमेशा से अतिसक्रिय रहा है। बैंक के कुल कार्यकाल में महिलाओं की भागीदारी अभी एक चौथाई है।

सरकार ने एलआईसी के चेयरमैन का कार्यकाल एक साल बढ़ाया

नईदिल्ली । सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के चेयरमैन एम आर कुमार का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

गौरतलब है कि एलआईसी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी चल रही है। ऐसे में सरकार चाहती है कि आईपीओ प्रक्रिया सुगमता से पूरी हो जाए। विस्तार के बाद कुमार मार्च, 2023 तक एलआईसी के चेयरमैन पद पर रहेंगे। इसके साथ ही एलआईसी के प्रबंध निदेशक राज कुमार का कार्यकाल भी एक साल के लिए बढ़ाया गया है।

एलआईसी के चेयरमैन को दूसरी बार सेवा विस्तार दिया गया है। एलआईसी के प्रस्तावित आईपीओ के मद्देनजर उन्हें पिछले साल जून में पहली बार उन्हें नौ माह का विस्तार दिया गया था।

सरकार बजट घोषणा के अनुरूप एलआईसी को चालू वित्त वर्ष में ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराना चाहती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल अपने बजट भाषण में कहा था कि बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी का आईपीओ 2021-22 में आएगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश से 1.75 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। विनिवेश लक्ष्य को पाने की दृष्टि से एलआईसी का आईपीओ काफी महत्वपूर्ण हो जाता है।

सरकार के पास एलआईसी की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एक बार सूचीबद्ध होने के बाद एलआईसी बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी हो जाएगी। इसका बाजार मूल्यांकन आठ से 10 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

इस बीच, सरकार ने सूचीबद्धता के लिए एलआईसी की अधिकृत पूंजी को उल्लेखनीय रूप से 100 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 25,000 करोड़ रुपये कर दिया है।

आज का राशिफल

मेष : बिना किसी की सलाह लिए बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। अपनी महत्वाकांक्षाओं को ऐसे बड़ों के साथ बांटें, जो आपकी सहायता कर सकते हैं।

वृष : आज का दिन मौज-मस्ती और आनंद से भरा रहेगा। बिना विचार किए आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो बड़ी परेशानी है सकती है।

मिथुनः ज्यादा यात्रा करना झुंझलाहट पैदा कर सकता है। पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी।

कर्क : आज आपकी सेहत अच्छी रहेगी, जिसके चलते आप सफलता की ओर तेज़ी-से बढ़ेंगे। ऐसी हर चीज़ से परहेज़ करें, जिससे आपकी शक्ति नष्ट न हो।

सिंह : खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को खुद पर छाने न दें। अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं।

कन्या : आपका ऊर्जा-स्तर ऊंचा रहेगा। जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है।

तुला : आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है।

वृश्चिक : बहुत-कुछ आपके कंधों पर टिका हुआ है और फ़ैसले लेने के लिए स्पष्ट सोच ज़रूरी है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें।

धनु : अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी।

मकरः दूसरों के सफलता को सराहकर आप उसका लुत्फ़ ले सकते हैं। जीवनसाथी की खराब तबीयत के कारण आज आपका धन खर्च हो सकता है।

कुंभ : क्षणिक आवेग में बहकर कोई निर्णय न करें। यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुंचा सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे।

मीन : परिवार के इलाज से जुड़े ख़र्चों में इज़ाफ़े को नकारा नहीं जा सकता है। अपने फ़ैसले बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज़ कर सकता है।

9 फरवरी को जारी होगा बच्चन पांडे का ट्रेलर

अक्षय कुमार अभिनीत बच्चन पांडे का रश प्रिंट देखने के बाद इस फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने अपनी फिल्म को सीधे ओटीटी प्लेटफार्म पर देने के स्थान पर उसे सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने का निर्णय लिया और आधिकारिक तौर पर अक्षय कुमार ने बयान जारी करके कहा कि उनकी फिल्म बच्चन पांडे 18 मार्च को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। इस फिल्म को लेकर ट्रेड एक्सपर्ट्स के साथ दर्शकों को भी उम्मीद है कि यह उनकी पसन्दीदा फिल्मों में शामिल होगी। पिछले कई दिनों से दर्शक इस फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं, आज इस फिल्म के ट्रेलर जारी होने की तारीख लीक हो गई है।

रिपोर्ट के अनुसार फिल्म बच्चन पांडे का ट्रेलर 9 फरवरी 2022 के दिन जारी होगा। फिल्म से जुड़े सूत्र ने पोर्टल को जानकारी दी है, 'बच्चन पांडे की टीम ने अक्षय कुमार के फैंस को 9 फरवरी 2022 के दिन सरप्राइज देने का प्लान बनाया है। मेकर्स चाहते हैं कि बच्चन पांडे की रिलीज डेट से एक महीना पहले दर्शकों के सामने ट्रेलर रिलीज किया जाए। फिल्म बच्चन पांडे का ट्रेलर एक्शन, कॉमेडी, रोमांस, और ड्रामा का मिक्सचर होगा। बच्चन पांडे में अक्षय कुमार के साथ-साथ जैकलीन फर्नांडिस, कृति सेनॉन, अरशद वारसी, स्नेहल डाबी, पंकज त्रिपाठी, प्रतीक बब्बर और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार मुख्य किरदारों में दिखाई देंगे।

प्रशांत नील की इस एक्शन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी श्रुति हासन

प्रभास अभिनीत सालार के निर्माताओं ने फिल्म की नायिका श्रुति हासन को उनके जन्मदिन के अवसर पर बधाई देने के लिए एक विशेष जन्मदिन का पोस्टर जारी किया है। जैसा कि गब्बर सिंह की अभिनेत्री ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन मनाया, उनकी आगामी फिल्म- सालार के नायक प्रभास ने एक तस्वीर जारी करने के लिए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लिया। पोस्टर शेयर करते हुए प्रभास ने लिखा, मेरी मनोरंजक नायिका, सेट पर एनर्जी बॉल श्रुति हासन को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! सालार।

श्रुति हासन प्रशांत नील के निर्देशन में बनने वाली आगामी फिल्म सालार में आद्या नाम की भूमिका निभा रही हैं। हालांकि मेकर्स ने पोस्टर में ज्यादा खुलासा नहीं किया है, श्रुति हासन एक साधारण लंबी बाजू की पोशाक में नजर आ रही हैं और वह आसमान की ओर देख रही हैं।

वीकेंड पर बनाएं बेहद टेस्टी कोकोनट मोहन पाक

बहुत ही टेस्टी मिठाई है कोकोनट मोहन पाक, तो अगर आपको इसकी रेसिपी नहीं पता तो आइए जानते हैं और बनाते हैं वीकेंड स्पेशल डिश।

सामग्री :

1 कप कोकोनट बूरा, 3/4 कप मिल्क, 3/4 कप कंडेस्ड मिल्क, 2 टीस्पून इलायची पाउडर, 1/2 टीस्पून रोज़ वॉटर, 1/2 टेबलस्पून शुगर, 2-3 टीस्पून देसी घी, चुटकी भर ऑरेंज पाउडर, 8-10 काजू, कूछ चेरी

विधि :

एक मोटी तली वाले सॉसपैन में दूध गर्म करें। कोकोनट के बुरादे में दूध को डालकर एक घंटे के लिए सोक होने के लिए रख दें।

पैन में घी डालें और सोक हुए बुरादे को डालकर करीब 2-3 मिनट के लिए सॉते करें।

अब इसमें कंडेस्ड मिल्क, शुगर और इलायची पाउडर मिलाएं।

कोकोनट पाक के मिक्सचर के ऊपर जब घी आ जाए, तब आंच कम कर उसमें रोज़ वॉटर, ऑरेंज कलर और बारीक कटे हुए काजू मिलाएं।

मिक्सचर को ग्रीस की हुई ट्रे या थाली पर निकालकर सेट करें।

कोकोनट मोहन पाक को मनचाहे शेप में काटकर चेरी से गार्निश करें।

शेफ टिप्स- ध्यान रखें, थाली या ट्रे को अच्छी तरह ग्रीस करना जरूरी है। मिक्सचर ट्रे पर चिपक सकता है। कोकोनट के बुरादे की जगह अगर आप कोकोनट का इस्तेमाल करेंगी तो उसे दूध में सोक करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

शब्द सामर्थ्य- 335

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

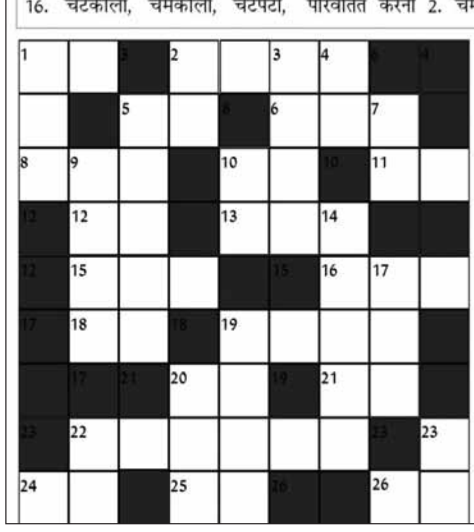

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 334 का हल

सू-दोकू- 335

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 334 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6